an>

title: Regarding shifting of regional language bulletins from National Capital to the state Capital by the Prasar Bharati.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण विÂषय सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं। देश के सबसे पहले इन्फार्मेशन और ब्रॉडकास्टिंग मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल जी ने देश की रीजनल लैंग्वेजिस में बुलेटिन राÂट्रीय कैपिटल से ऑल इंडिया रेडियो में जारी किया था। यह बहुत ही दुख की बात है कि प्रसार भारती की ओर से अभी फैसला लिया जा रहा है कि नेशनल कैपिटल से इसे स्टेट कैपिटल में शिफ्ट किया जाए। …(व्यवधान)

मैं समझता हूं कि यह देश के लोगों का गौरव, यूनिटी और इंटेग्रिटी, अनेकता में एकता दर्शाता था। इस फैसले से बहुत लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। ओड़िया को शिफ्ट कर दिया, असमी को शिफ्ट कर दिया है। …(व्यवधान)

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इसे वापस लिया जाए।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सबकी बात कह रहे हैं। आप सब एसोसिएट कर लीजिए।

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा : सरदार पटेल जी को पिल्लर आफ यूनिटी कहा जाता है। उनके फैसले को बदलने का दुख तो होगा ही, इसलिए यह फैसला विदड्रा होना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष: श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन, श्रीमती रंजीत रंजन, डॉ. ए. सम्पत, श्री जोएस जॉर्ज, श्री सुधीर गुप्ता, श्री आलोक संजर, श्री रोड़मल नागर और श्री के.सी. वेणुगोपाल को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।